1) कपडा कामगार ने दुनियाभर से कहा,

“अब और ज्यादा मजदूरों की मृत्यु नही भांडवलशाही को मरना ही होगा।”

LOS ANGLES (USA) : “मालकोने कारखाने बंद नही किये, क्योकीं उनको ज्यादा पैसे कमाने थे। ऐसा एक Los Angels रहीवासी महीलाने जो कपडा कारखाने में काम करती है, और जो नियमित तौरपर Red Flag (लाल ध्वज) को पढती है, उसने बताया।”
उस महिला ने कहा, की हम वहाँ जाते रहे क्योंकी हमे जिने के लिए काम करने की अत्यंत आवश्यकता है। “इस कारखाने मे चार मजदुरोकी कोवीड-19 से मृत्यु हो गई है। 300 से ज्यादा लोगो को संक्रमन होने की सुची है।”

शहर के स्वास्थ्य विभाग ने कारखाना बंद करनेकी, सक्ती दिखाई परंतु मालीक ने ऐसा करने से पुरी तरहा मना किया। लोगो की सुरक्षा के लिए मार्च मे बडे ही धुमधडाकेसे मालीक ने घोषीत किया था, की उसके 400 कामगार एक हफ्ते मे 1,00,000 फेस मास्क तयार करने का प्रयास करेंगे। मालीक ने मास्क मोहीम की शुरुवात की, जिसके लिए हजार के आसपास कामगार भरती की गई। किसी भी आवश्यक संरक्षण के बिना काम करने के लिए जबरदस्ती से मजबूर किया।

इस कारखाना मालक ने कामगारोपे ऐसा आरोप किया की, वो लॉस ऐंजलीस के आसपास रहते है, जहाँ संसर्ग स्तर अधिक है। मालक का यह दावा है की, इसी कारण की वजह से कारखाने में असुरक्षित स्थिती निर्माण हुई है। अल साल्वाडोर में मॅकीलस कामगार महिला ने भी इसी तरह की परिस्थिती का वर्णन किया, जिस कारखाने मे काम करती है। International Communist Worker Party (ICWP) के सदस्य की तौर पर जब वह बात कर रही थी। उसने कहा हमे साम्यवादी विश्व बनाने के लिए कठीन परिश्रम करने की आवश्कता है।

पूंजीवाद को खत्म करने के लिए जिसमे कामगारो का शोषण हो रहा है, उसे खत्म करने के लिए जिस तरह से मेकीलस कामगारो का शोषण हो रहा है।

पूंजीवाद के खिलाफ पूरे विश्वमे कामगारो का रोष और संघर्ष बडे तौरपर बढ़ रहा है, जो खतरनाक है और हमे इसे बलशाली साम्यवादी विश्व निर्माण के लिए परीवर्तित करने की आवश्यकता है।

मेक्सीको शहर की उत्तरी सीमावर्ती शहरो में 3,00,000 के आसपास कामगार मॅकलीस में काम करते है । जहाँ संसर्ग का स्तर दुगना था, जिसमें सेकडो कामगारो का मृत्यू हुआ । सिऊदाद जुरेझन में शेकडो कामगार हडताल पर चले गऐ । उनकी माँग थी की जो मॅकलीस आवश्यक नही उनको बंद किया जाए जिसमे 12 से ज्यादा कामगारों का मृत्यु हुआ है । इसी तरह की परिस्थिती Tisuana, Maxical Matamoros और Reynosa में उत्पन्न हुई थी । इस गंभीर परिस्थिती को हमे रोकने और जवाब देने की जरुरत है, इस की वजह से हजारो कामगारो को संसर्ग हुआ है ।

San Miguel Petapa, Guatemala यहाँ K.P.Textile के कामगारो ने कोवीड-19 के संसर्ग परिस्थिती का पूरजोर विरोध किया जब वहाँ 300 से अधिक कामगार मॅकलीस जोअमेरीका के Eagle नायक कंपनी के लिए कपडा तयार कर रही थी ।

इस प्रकोप के परिणाम आसपास का पूरा परिसर बंद करना पडा । 125 से ज्यादा उद्योग बडे तौरपर प्रभावित हुअें है, जिसका मुख्य असर Call Centers में काम करने वाले हजारो से ज्यादा Guatemala शहर के कामगारो पर हुआ है । Los Angles से Maxico, Central America, India, China और दुसरे देशो में भी कपडा कामगार पूंजीवाद से पैदा हुई परिस्थिती से पिडीत है ।

कोवीड-19 और मंदी की वजह से हजारो कामगार अपनी जिंदगी खतरे में डाल कर गंभीर परिस्थीती मे काम कर रहे है । 6,00,000 से ज्यादा मौत और 15 लाख से ज्यादा संक्रमण इस जिवाणू से होने का सामने आया है ।

बस! अब और कोई कामगार की मौत नही । पूंजीवाद का मरना जरुरी है । हमारे पास जितने के लिए पूरी दुनिया है । हमे साम्यवादी विचार निर्माणकर नये विश्व निर्माण की तयारी करनी है । Los Angles में शेकडो से ज्यादा कामगारो ने Red Flag (लाल झेंडा) लेकर एक कदम आगे बढ़ाना है, उसके लिए ICWP का घटक बने ।

चलो एक साम्यवादी विश्व के लिए साथ मिलकर लडते है, जिससे मालीकोका मुनाफा हमारे जिने का साधन नही होंगा ।

इसके बजाय हम एक नई कोम के लिए साम्यवादी समाज का निर्माण, करेंगे जिसमें हम अपनी आवश्यकताओ के लिए खुद काम करेंगे ।

2) **भारत : अफ्रीकन छात्र पर कुछ नक्सलवादी हमले का बडे पैमाने पर विरोध** ।

जुलै 20 इंडियन रुडकी इन्स्टिट्युट ऑफ टेक्नॉलॉजी मे दो अफ्रीकन छात्रो पर नियोजनबध्द तरीकेसे बेरहमी से मारपीट कर उनपर अमानुष अत्याचार किया गया । जुलै 15 को जब वे भोजन के लिए बाहर गये थे, तब दो हमलावरो ने जो विश्वविद्यालय के उच्च श्रेणी कर्मचारी थे । चौदह और गिरोह मे हमलावर थे जो सुरक्षा अधिकारी के रुप मे आए थे । दो घंटो से अधीक समय तक उन छात्रो को मारापीटा गया । जो छात्रावास के असंवेदनशिलता के साथ समाप्त हूआँ । सौ छात्र से ज्यादा एकसाथ मिलकर इस नस्लवादी हमले के विरोध मे आपने छात्र भाईयोंको बचाने के लिए दौडकर आगे आये ।

बिस से अधिक बडे शहरो मे हजारो और आगे आये । उन जातीवादी हमलाखोरो को तत्काल शिक्षा करने की मांग करने लगे । “Black lives matter” इस घोषवाक्य के साथ उन्होने अपनी जातीवाद के खिलाफ लढाई पूरे विश्व मे बडे पैमाने पर प्रारंभ कर दी। ICWP के कुछ अति उत्साही सदस्योने दिल्ली मे प्रदर्शन की सुरवात कर दी। वे जातीवादी हत्याओका बदला लेने की बात कही। “हमारा छोटा समुह बहूतही मुखर था। जल्दीही 100 से ज्यादा लोग उनके साथ आए।

एक सदस्य का कहना था।“हमने दिल्ली मे अपने अनुभव से आगे बढना सिखा है हमारे सभी समस्याओ का समाधान साम्यवाद है। हमारे मुख्य उद्देश पूंजीवाद से मुक्ती पाना है। सिर्फ जातीयवादी सत्ताधारी पक्ष (BJP) नही। भारत की असली बेरोजगारी 34% है। सेकडो लाखो काम के बिना है। वस्त्र उद्योग का पूरी तरह पतन हो गया है, लगभग वहॉ कोई भी काम नही है। कोवीड-19 युग मे 54% कपडा मजदूर बेरोजगार है। इसी तरह की स्थीती वाहन उद्योग की है जिसमे 24% लोग बेरोजगार हो गये है।

इसी दौरान 3000Km. दूर सिमापर भारत China मे युध्दस्थिती बढ रही है। कश्मीर में गृहयुध्द बडे तोरपर चल रहा है। दोन दसलक्ष उत्तरकी और आग्नेय आशिया में चिन फिरसे अपनी नौदल सैन्य प्रस्थापीत करने का प्रयास कर रहा है। इस कठीन संकट के बिच हमारा छोटासा पक्ष नेतृत्व बनाने की क्षमता और बल रखता है। भारत, पाकीस्तान और अफगानिस्तान से ICWP मे कुछ नये मित्र जुडे है ।

ये सहकारी कुछ मुख्य भाषाओमें जैसे की पाश्तो, पारी, सिंधी और कन्नड मे अपने दस्ताऐवज बना रहे है ये और दुसरे दस्ताऐवज तमील, तेलगू, और हिंदी में अनुवादीत किये जा रहे, है। (ये तीन भाषाये 700 दश लक्ष से अधिक बडे पैमानेपर बोली जाती है।) जातीवादी और पूंजीवादी मानसीकता खत्म करने के लिये साम्यवाद को चालना देनेवाली होंगी।

अफगानिस्तान के दारी क्षेत्रके एक मजदूर ने बडे, गर्व से बताया, की "हमारा उद्देश एक है हमे साम्यवाद चाहीये, जिस तरह हमारे भाई दक्षीण आशिया के तमील क्षेत्र मे काम कर रहे है वो लोग भी इसी तरह की भावनाये रखते है और अपने संघटन को सर्वोत्तम बनाते है"।

क्रांतीकारी आशावाद के साथ मजदूर वर्ग ने ज्ञान अर्जीत करते रहना आवश्यक है क्योकी मालीक हमेशा शोषण कर रहा है। इस संघर्ष की परीस्थीती मे भी फायदा/मुनाफा कमाने का युध्द चल रहा है जो परीस्थीतीके अनुसार विश्व युध्द बन चुका है। भारत, पाकीस्तान, और अफगानिस्तान के सभी साथी मजदूरो के पास समता है जिसके आगे इस पृथ्वीपर कौनसे भी मालक शेष नही रह पायेंगे ये निरंतर बढती रहेंगी।

3) **केवल साम्यवाद की क्रांती जातीवादी पूंजीवाद को समाप्त कर सकती है**।

सिएटल (US) "आप देखो हम पूरी तरह सक्षम है खुदकी देखभाल करने के लिए, एक बोईंग सहकर्मी ने कहा उसने पाच हजार से भी ज्यादा प्रदर्शनकारीयोको नजदीक से देखा है। यह जाती-विरोधी, बहू-जातीय मोर्चा है जो किसी भी तरह की कठिनाई के बिना न रुकते हुए Rainer Valley से निकल गया। मालीक के साथ रहनेवाले वृत्त वार्ताहर ने शहर को गुंडागर्दी से भरा हुआँ ऐसा संबोधित किया।

यातायत नियंत्रण से लेकर जलवितरण नियंत्रण तक की सारी बडी बातो के साथ मास्क भी देणे का निर्णय लिया गया। हमारे बोईंग सहकर्मी ने सिधी सच्चाई कही कि, "साम्यवाद रोज एक नयी क्रांती ला सकता है बस जरुरत है पोलीसकर्मीयो को साम्यवाद से खत्म करने की संघटन जन आंदोलन के लिए पहल करेंगा। जिसमे Red Army का हिस्सा जरुरत के हिसाब से समाज के हित के लिए होंगा, जो हमेशा अच्छी-बुरी नैतीकता समझाएगा। जॉर्ज फ्लॉयडकी जातीयवादी हत्या के बाद लाखो लोग रास्तो पर उतर कर विरोध कर रहे है। वे पोलीस दल का निधी कम करके नये तरीके से गठण करने की बात कह रहे है। इसमे कोई संघटन एवंम सामाजीक संस्थानो ने आगे आकर पहल की है। कई प्रदर्शनकारीयोने पूंजीवाद को दोषी मानते

हुए, आव्हाण किया है की, “सर्व सामान्य की देखरेख हमे सामुहीक तौरपर करनी होंगी”, परंतु दुर्भाग्य से ये सुधार या फिर पूंजीवाद आयु बढाने की क्षमता रखते है।

अश्वेत और लॅटीनेक्स कामगारो की हत्यायों का घोर प्रमाण निहीत है । अमेरीका मे जातीवाद पूरी तरह मौजुद नही है, परंतु अमेरीका प्रशासक वर्ग इसे विशीष्ट निती से पूरे विश्व से निर्यात किया है । हर पूंजीवादी राष्ट्र इसे बनाता है। पुंजीवाद को पुलीस की आवश्यकता होती है। पुंजीपतीयोंने सुनिश्चीत किया है की पोलीस वास्तव में न्यायशास्त्र से कामगारो का पुरी तरह शोषण करने की क्षमता रखते है।

जातीवाद राजनिती और आर्थीक स्तर पर प्रमुख भूमिका निभाता है। अत्यंत शोषक तरीके से जातीवाद कामगार वर्ग और करोडो के लाभ को अलग करता है। कामगारो के शोषण के लिए और डराने के लिए उन्हे शस्त्र दिये जाते है। मालीकोंकी व्यवस्था हमेशा शुरु रखने के लिए, पूलिस उनकी अमानुषता हमेशा चालू रखते है। हर साल पूंजीवादी पूलीस बल की संख्या अधीक बढाता है, जो जातीवाद, सैनिकीकरण को निर्दयी और भी प्राणघातक बना रही है।

अमेरीका से वो गुलाम वर्ग बाहर आया, जो मुलत: जीनकी भूमिका “खतरनाक वर्ग” को नियंत्रण मे रखना और कामगार वर्ग के लिए कोड है। विशेषत: जो जातीवाद और अतीशोषन करते है। पूंजीवाद के खुन मे पूलीस जातीवादी बनके बस चुका है। न्यू जर्सी के एक सहकर्मी अकसर एक के रुप मे उल्लेख किया गया है की, पुलीस व्यवस्था को खत्म करने का नमूना सात साल पूर्व, जहाँ 90% उद्योग ऐसा केवल शहर जहाँ अश्वेत और लॅटीनेक्स निवासी लोगो ने पूलीस दल का भंग कर दिया। एक नए तोर पर “सभ्य और दयालू” के तोर पर विस्तापीत किया गया । जिसकी वजह से उनका रुतवा बढा। यह मृगतृष्णा कुछ दिन मे निकल गई। कई निवासी उदा. शरिम और अनाया ने कहॉ की, “पूलीस बल बहूल बदल नही पाया? उनका कहना था की पूलीस बल Camden शहर को युध्द क्षेत्र के रुप मे मानते थे।

लेकीन क्या साम्यवाद मे जातीवादसे मुक्ती मिलेंगी? एक कुशल युवा बोईंग कार्यकर्ता से पुछा। हाँ! पूंजीवाद के विपरीत साम्यवाद है, जो सामूहीक उत्पादन निर्माण पर निर्भर करता है, जो हमारी सामुहीक जरुरतो के लिए है। पुंजीवादी का मकसद केवल श्रमीक वर्ग को विभाजीत करके अत्याधीक नफा प्राप्त करना है। हमे अत्याचार की आवश्यकता को समाप्त करना पहला कदम है।

पुंजीवाद के शोषण की आवश्यकता के कारण, आतंकीत करे ओर हमे विभाजीत करे, ऐसा आंतराष्ट्रीय कम्युनिस्ट वर्कर पार्टी ने बडे पैमाने पे अभियान शुरु करेंगे। एक बडे पैमाने पर आंतराष्ट्रीय पक्ष के नेतृत्व की खोज करे। हम आपको अभी शामील होने के लिए आमंत्रीत करते है। साम्यवादी क्रांती सभी पहलुओ को नष्ट कर देगी। पूलीससहीत पूंजीवादी राज्य सत्ता का इसके आगे अधीक अस्पष्ट भविष्य नही। हम है सिधी सत्ता के लिए, साथ दे हम एक दुसरे का साथ देकर देखभाल कर सकते है।

4) **अल सल्वाडोर :**

पूर्व गनिमी (गुरील्ला) लढाकू कहते है वे अपनी सुरक्षा किस तरह किया करते थे।

यहाँ संदर्भ चर्चा का एक छोटासा अंश है। जिसमें पूर्व गनिमी (गुरील्ला) सेनानियों के साथ की कैसे उन्होने उन क्षेत्र में सुरक्षा सुनिश्चीत की जहाँ से वे मुक्त हुये गृहयुध्द के स्थिती में [1979-1992], ग्रामीण जनता और शहरी मजदूरो ने अमेरीकन राष्टवादी सरकारी सैनीक और मौत के दस्तो को समर्थीत, उनके अनुभव ये दिखाने मे मदत करते है कि, साम्यवादी समाज अपनी सुरक्षा से निपटनेमे सक्षम है, पूलिस के बिना जब साम्यवादी जनता सभी तरह का नेतृत्व करने मे सक्षम होती है। Red Flag (लाल ध्वज) ने दो पूर्व FMLN सदस्यो का साक्षात्कार किया ।

उनमे से एक अब Red Flag (लाल ध्वज) वाचक है ओर दुसरा आंतरराष्ट्रीय सदस्य है, वे, और अन्य सदस्य जिनको क्रांतीकारी आंदोलन मे दृष्टीकोन किस तरह का होना चाहीए इसका ज्ञान प्राप्त है। हमने पुछा: "सुरक्षा और अनुशासन कैसे थे सशस्त्र संघर्ष के दौरान मोर्चो पर बनाए रखा गया यहाँ? कैसे गलत मामलों मे हल निकाला गया, आचरण, चोरी और विश्वासघात? "आलोचना और आत्म आलोचन, लोकतांत्रीक पध्दतीका केंद्र है। जैसा की हमने उस समय कहा था, हमारी मदत अनुशासनशीलता की कुछ समस्याओ को दूर करता है ऐसा आजाद हुए क्षेत्र के पूर्व FMLN सदस्य ने उत्तर दिया।

1970 की शुरुवात मे एक बटालीयन में उनका पूरा परीवार संगठीत था मोरझान के उत्तरी भाग मे उनकी कहानी जारी है: "हमे कुछ, समस्याए थी कुछ साथीयों के साथ जब हम चल रहे थे हाइवे के पास, कारों को रोका और उनसे पूछा पैसे के लिए, किसीभी तरहा के नेतृत्व बिना क्योकी हमारे पास कोई भी पैसा नही था।

अगर कोई ऐसी चिजे खरीद रहे थे जो हम पास रख पाते तो हम उन्हे जल्दी रोक लेते थे। “एक व्यक्ती था जिसने यह कई समय पहले से किया है। वहाँ विघटनकारी भुमिका को लेकर सचेत था, जो हम सिखने और सिखाने की कोशीश कर रहे थे।

राजनैतीक नेतृत्व के विश्वास हेतू उनके शस्त्र का हवाला देते हुएँ, भोजन और राशन कम कर दिया गया और वह चला गया हमारे साथ, लेकीन वह, अधिक निपून था हथीयार के बिना भी। हमारे पास पूलीस और सैनिको जैसा कुछ भी नही था परंतु यह अधीक था की राजनितीक और विचारधारा से आगे बढनेवाली क्रांती थी।

जब हम संगठीत हुए तो उन्होने हमें एक किताब दी, जिसका नाम था, ‘The 15 Principles of Guerrila,’ “जिसने बताया कि नया व्यक्ती समाज मे कैसा होना चाहीए”। साथीयों का विकास करने के लिए संघर्ष FMLN के एक अन्य पूर्व सदस्य ने कहा, “मै था एक परीक्षण मे दो और सदस्य शामिल थे जो हमारे साथ लडाई थे बाद में शामिल हो गये थे उनपर अपने साथ आम्ल पदार्थ (drugs) लाने का आरोप लगा। सात लोगों की सदस्यता का गठण कर उनपर कार्यवाही की गई, उन्होने लंबे समय तक विचार- विनीमय करने के बाद हम दो के खिलाफ बाद थे। वे इस कथीत अपराध के लिए उन्हे अंजाम देना चाहता था।

उन्होने कहॉ “हमने कोई गलतिया की और मैने नही की मैने कहाँ कि मै अंदर गया था इन दो प्रतीस्पर्धी को एक साथ लडाई और उस समय मैने कोई बुरा रवैय्या नही देखा था। इसके विपरीत, एक कार्यवाही में, हमने एक किया था, हमारे साथीयो को चोट लगी थी, वे पूर्व सैनीक थे जिन्होने भागने या हताश होने से अच्छा, उसे बाहर निकाल आबादीवाले क्षेत्र में लेकर गए ताकी वे उसका इलाज कर सकता था। और वहाँ स्वस्थ हुआँ ।

“मैने न्यायमंडल के अन्य साथीयोंसे कहा की मै कभी नही देखा कि वे सैनीकों के पास लौंटना चाहते थे लडाई के बाद, उन्होने खुद को गनिमी (गुरील्ला) नेता के रुप में प्रस्तूत किया वे युध्द के अंत तक सेना कमांडर थे। क्या हो अगर हमने उन्हे मार दिया था? मुझे हमेशा लगता था कि हम मामलों का अच्छी तरह से अध्ययन करना था और, हमारी तरह कार्य नही करना था या पूलीस थे” । ये और कई अन्य अनुभव बताते है। साम्यवादी जनता समाज को चला सकती है, और चलाएगी बिना किसी मालीक या पूलीस बल के सामुहीक रुप से। हम करेंगे सभी की भागीदारी को पुरोत्साहीत करना और पोषन करना एक तरह से जो सामुहीक को मजबुत करता है।

5) **पोर्टलँड में जनसमुदाय एकत्रीत : लोगो को एकजुट करने के लिए नई पहल –**

पोर्टलँड Oregon (USA) जुलै 20 पोर्टलँड ऑरेगान में जनसमुदाय यहा है, 50 दिनोंसे पोर्टलँड ने हमारे लिए लढते हुए दिखाया है की, Black lives matters (अश्वेत लोग महत्वपूर्ण) के साथ एकजुटता मे सडको और जातीयवादो व्दारा मारे गये साथीयो के लिए बंधे हुए राज्यशासन Trump का हाल भी हुकुमशाही चाल जिसमे उसने Fedral Department of Homeland (ICE, CBP etc.) दलाल शहर में स्थीत प्रदर्शन बंद करने के लिए भेजे, जिसकी वजह से पोर्टलँड राष्ट्रीय स्तर पर मुख्य आकर्षण का केंद्र बिंदू बना।

2 जुलै को आने के बाद से ही तनाव और बढ गया, प्रदर्शन बंद करने के लिए अचिन्नीत किरायेसे कार का उपयोग करके बिनाकारण सडको को पर उतरे प्रदर्शनकारीयों का अपहरण किया। जबकी एक अमेरीकी मार्शल ने एक रक्षक को गंभीर रुप से घायल किया, "एक घातक आंदोलन स्वरुप खोपडी में गोली मार दी" ।

इससे पहले यह नही भूलना अनीवार्य है की अधीकारीयोने निचले स्तरपर जाकर हमारे सदस्यो पर फासीवादी उद्देश से हमले किये है जिसके लिए चिकून land पोर्टलँड पूलीस दल का हवाला दिया गया। हमारे आंदोलन को कुचलने के लिए और पूर्व निर्धारीत थे उनके पूंजीवादी हितो की सेवा के लिए करें। PPB ने नागरीको पर होनेवाली पुलीस क्रूरता की अनगिनत बर्बता के साथ आसू गॅस का बडे पैमाने पर उपयोग किया जिसकी वजह से सास लेने मे तकलीफ हुई इस और महामारी के दौर मे भी।

हम यहाँ कैसे पहुँचे : जॉर्ज फ्लॉयड के मृत्यु विरोध मे मै प्रदर्शन शुरु हुए और उसमे विविधता दिखाई दी थी विचारो और रणनिती में प्रत्यक्ष कार्यवाही प्रदर्शन आर्थीक व्यवधान अहिंसक मोर्चा को धारण करने के लिए समुदाय सदस्यो के सामुदायीक जागरुकता निर्माण की गई, जिसमे, समुदाय सुधारचर्चा शैक्षणीक कार्यक्रम, निदर्शन प्रशिक्षण आपसी सहायता के साथ एकसाथ आकर कार्य कर रहा था।

सामुदायीक समर्थन का यह मोर्चा अलग अलग राजनैतीक विचारधाराओं का प्रतीनिधीत्व करता है। अधीकांश लोगो को साम्यवादी के तौर पर अपनी पहचान करना पसंद नही, परंतु वे साम्यवाद की समान लक्षणो को साझा करते है और Red Flag (लाल ध्वज) वाचक है।

जातीवाद के खिलाफ लड रहे है। वे सभी के लिए स्वास्थ सुविधा चाहते है पुलीस बल का हस्तक्षेत्र खत्म करने के लिए वे निरंतर पोर्टलँड मे प्रबलीत लहर मे हजारो की संख्या मे नये चेहरो के साथ प्रदर्शन कर रहे है। वो समुदाय जो राजकीय दलो से तंग आ चुका है और जो निर्णायक क्षण प्रस्तुत करता है। परीवर्तन की मांग निम्नलिखीत राजनितीक तरीको के रुप में समुदाय के बिच चर्चा की गई पोर्टलँड और उससे आगे के लोगो को एकजुट करने में मदत करना अपने समुदाय में।

सामुदायीक प्राथमिकताये : हमेशा सुनो और अश्वेत और स्वदेशी आवाज उठाये। अवधी...

आपसी सहायता : एक दूसरे को विनामुल्य मुक्त रुप से सहायता करे, सामुहीक भोजन, के साथ, आवासहीन लोगो को खिलाये और दान करे, लोगो को जमीनपर खाना खिलाए। एकबार स्थापीत यहाँ समुदाय जहाँ लोग भोजन की तलाश करते है वे समाजीकरण के साथ बंध जाते है। अतीरिक्त सेवाओ को जोडा जा सकता है, जैसे कपडे दान, मुक्त पुस्तकालय, या कार्यशालाओ को फिर से शुरु करे।

समाचार पत्र : लिखना और वितरण करना जारी रखे। नये पाठक अपने अनुठे विचारो को साझा कर सकते है, और कहानियाँ के लिए एक तरहसे जोर दिया।

सोशल मिडीया का आधुनिकीकरण: पोर्टलँड मे व्यापक प्रसार, घटनाओ का साझाकर और सामाईक सुचना पर समाचार होने के कारण विरोध इतना सफल रहा। शक्तीशाली शब्द के साथ प्रतीकात्मक प्रदर्शन एवंम चित्रण जो समुदाय को समझने एवंम सिखाने के लिए मदत करता है। जो PDF के माध्यम से एक दुसरे को भेजना या Instragram पर ठिकाण साझा करना आसान हो गया है। यहॉ एक महत्वपुर्ण भूमिका साझा कर रहा है।

कला : कला किसी भी क्रांती का अविभाज्य हिस्सा है। कलाकार महत्वपुर्ण संदेश को चित्र के रुप मे फैलाने में संधीगत तरीके से मदत करते है।

युवा : युवाओ को शामील करें पहले हाल के विरोधो का पुनरुत्थान होने का कारण युवा पिढी का पोर्टलँड के रस्तो से जनता को प्रदर्शन मे लाने का रहा है। युवा साथीयों को स्वामीत्व दे वे मोर्चा के लिए क्या चुनते है, और स्थापीत करने में मदद करते है। एक साप्ताहीक Friday युवा मार्च की परंपरा उच्च विद्यालय, जीससे शिक्षीत और समुदाय को मदद मिलेंगी जो हमारे सबसे

कम उमर और सबसे भावूक सदस्य है।"जब हम लडते है, और अश्वेत (Black life) जिंदगी उठाते है, तो हम खत्म हो जाते है सबको उपर उठाते हुए" ।

Red Flag (लाल ध्वज) नोट : हम अपने नए सामुहीक का धन्यवाद करते है के Red flag (लाल ध्वज) इस रिपोर्ट के लिए पोर्टलँड मे पाठको का जवाब का स्वागत है।

6) पूलीस बर्बरता : हमे साम्यवाद के लिए संगठन की आवश्यकता है।

दक्षीण अफ्रीका : 9 जुलै कोवीड-19 महामारी के बाद से पूरी दुनिया को पुंजीवादी अराजक अमानविय व्यवस्था ने पूरी तरह मार डाला। पुंजीवादी व्यवस्था की "विफलता" फिर से महामारी से उत्पन्न होनेवाले खतरे से संबंधीत है जिसका सहयोगी परीणाम अपेक्षीत है।

अती उत्पन्नात और बढती आर्थीक विफलता के परीणाम में गहरे फसे हुए विश्व को लाभ दर में भारी गिरावट से गुजरना पड रहा है। जिसका रास्ता फासीवाद और युध्दही है।

पुंजीवाद, स्वार्थ और शोषण पूर्व व्दारा संचालीत है, जो दैनिक गरीबों को मारता है पूरी दुनियाभर में दक्षीण अफ्रीका मे टालाबंदी को तिन महीने से अधीक हो चुके है। पुंजीवादी बल जिवन नष्ट करने के लिए पूर्ण प्रवाह में है, चाहे नोकरी में नुकसान या पूलीस और सैनिको के माध्यम से नागरीको की हत्या। पूलीस की बर्बरता का इस्तेमाल किया जाता है पुंजीपतीयो को उनके हितो को डराना और उनकी रक्षा करना।

जब से जॉर्ज फ्लॉयड की निर्मम हत्या हुई तबसे पूलीस बर्बरता के खिलाफ पूरी दुनिया भर के लोग सडको पर उतर कर विरोध कर रहे है। यह कदम होशपूर्वक ध्यान केंद्रीत करने के लिए उठाया है, केवल (पुंजीवादी) पूलीस के नक्सलवादी तत्वो पर पुंजीवाद ने जातीवाद को निर्माण किया है जो साम्राज्यवाद के माध्यम से संपूर्ण विश्व मे फैला है, जिसकी वजह से पूलीस बल में जातीवादी, नक्षलवादी क्रुरता बढी है।

पुलीस बर्बरता हर देश मे पाई जाती है अश्वेत जनता को अश्वेत पूलीस की बर्बरता का सामना करना पडता है, जिस तरह से भारतीय पुलीस बल भारतीय जनता पर अत्याचार करती है। पुंजीवाद पुलीस का उपयोग करता है पुंजीपतीयोंकी रक्षा के लिए धन के रुप में वे डराना और गरीबो को मार डालो। हाल ही मे दक्षीण अफ्रीका मे एक शख्स को पूलीस ने बेरहमी से पिटा

उसे नग्न कर घुटने पर टेकते हुए मारा। पुलीस ये अभीनय कर रहे थे की उन्हे ये संरचना Cape Town, के मेयर से प्राप्त हुई थी जो, Pre-Nairobi का रक्षण करने के लिए कोशीश कर रहे थे।

08 जुन 2020 cape town इस आदमी का घर (झोपडी) पूरी तरह नष्ट किया हुआँ, क्योकी पुंजीपती चाहते थे की जनता को बेदखल किया जाये जिन्होने जमिन का भुगतान नही किया था, और अपने घरो का निर्माण किया। पुंजीवाद, इसके पुर मे मुनाफे का सुट, कई कामकाजी वर्ग मे परीणाम भाई-बहन भुख से मर रहे है, कोई आश्रय या घर नही है।

यह जिवन को नष्ट करने के लिए पूलीस की बर्बरता का साहारा ले रहे है। यहाँ मजदुरो को बेरहमी से मारता और मारता है, उन्हे डरपोक। जातीवाद और पूलीस की बर्बरता से निपटने के लिए हमे पुंजीवाद को नष्ट करना होगा। पुंजीवाद की राख में हमे वो समाज खडा करना है जो देखभाल के सामुहीक प्रयास से प्रेरीत है, कि जरुरतो को पूरा करने के लिए चिजो को पैदा करता है, जनता के लिए, आश्रय, भोजन और जैसी जरुरते।

पूंजीवाद के अंतविरोध महामारी का सामना किया, और इसके व्दारा प्रवर्धीत भी है, कई लोगो को गुस्सा है की यह मोहभंग कब समाप्त होंगा, ये शिकायते मजदुरो को एक विकल्प प्रदान करती है इसे एक संघटीत क्रोध के रुप मे परीवर्तीत करने का प्रयास करती है, जो जातीवाद और जमिनी लढाई से मनुवादी संसार से मुक्ती देगा।

जनता के प्रती पूलीस की बढती बर्बरता कमजोर पुंजीवाद का दर्शन कराती है, हमे इस मौके का फायदा लेके और जब्त करने की आवश्यकता है। हमे हमारे संघर्ष को तेज करने की आवश्यकता है। हमारे संगठीत होकर लढने के लिए आंतराष्ट्रीय स्तर पर एकत्रीत आकर श्रमीक वर्ग को खुदको शोषण प्रणालीसे मुक्त होना होंगा। ऐसा करने के लिए हमे साम्यवादी विचारधारा (ICWP) की आवश्यकता है जिसमे हम एक साथ मिलकर नये गहरी समाज और दार्शनिक ज्ञान का उपयोग कर सकते है।

परीवर्तन का विकल्प : व्दंदात्मक भौतीकवाद यह हमारा है जितने के लिए दुनिया।